समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Friday, 25 September 2026

41 साल बाद भारतीय अंतरिक्ष यात्री की गगनचुंबी उड़ान, शुभांशु शुक्ला ने रचा इतिहास।

Publisher — Published on 25 Jun 2025

25 जून 2025 को ठीक 12 बजे शुभांशु शुक्ला ने फाल्कन-9 रॉकेट से अंतरिक्ष की ओर उड़ान भरी, 41 साल बाद भारत के किसी नागरिक की ऐतिहासिक अंतरिक्ष यात्रा।

25 जून 2025 को भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में एक नया अध्याय जुड़ गया। **लखनऊ निवासी** और **वायुसेना मे ग्रुप कैप्टन** पद पर कार्यरत **शुभांशु शुक्ला** ने आज ठीक **दोपहर 12 बजे** अंतरिक्ष के लिए ऐतिहासिक उड़ान भरी। **41 साल बाद भारत के किसी नागरिक ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केद्रं (ISS)** की ओर प्रस्थान किया है। इससे पहले **1984 मे रांकेश शर्मा** ने **सोवियत संघ** की मदद से अंतरिक्ष की यात्रा की थी।

शुभांशु शुक्ला अ◌ॉक्झिओम-4 (Axiom-4) मिशन का हिस्सा हैं, जिसे स्पेसएक्स के **फाल्कन-9 रॉकेट** के माध्यम से लॉन्च किया गया। यह **मिशन ड्रैगन कैप्सूल** में सवार होकर **ISS** तक पहुंचेगा। इस **अंतरराष्ट्रीय मिशन मे शुंभांशु** के साथ **अमेरिकी कमांडर पेगी व्हिटसन, हंगरी के टिबोर कपू** और **पोलैडं के स्लोवोज विस्निव्हस्की** शामिल हैं।

शुभांशु ने एक साल तक कठिन **प्रशिक्षण लिया** और **ISRO द्वारा डिजाइन** किए गए कुछ उपकरणों के साथ वह अंतरिक्ष में **14 दिन** का अनुसंधान करेंगे। वह **ISS पर 7 प्रमुख वैज्ञानिक प्रयोग करेगें** — जैसे कि **शून्य गुरुत्वाकर्षण** में मांसपेशियों की रिकवरी क्षमता, **बीजों के अंकुरण की प्रक्रिया**, **अंतरिक्ष मे बैक्टीरिया पर प्रभाव** और **चावल, बैगंन, टमाटर** जैसी फसलों की संभावनाएं आदि।

इस मिशन के लिए **ISRO ने लगभग ₹550 करोड़** का निवेश किया है। जबकि **राकेश शर्मा की 1984 की यात्रा सोवियत**

संघ द्वारा प्रायोजित थी। वैज्ञानिकों के अनुसार, इस मिशन की शुरुआती 15 मिनट बेहद महत्वपूर्ण हैं।

यह मिशन न केवल वैज्ञानिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि भारत के अंतरिक्ष अनुसंधान में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर भी साबित होगा।

ऐसी ही देश और दुनिया की बड़ी खबरों के लिए फॉलो करें: www.samacharwani.com

---

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.